बिहार विधायिका सभा वादवृत्त।

सोमवार, तिथि ७ फरवरी, १९४९।

भारत शासन विधान, १९३५, के प्रावधानों के अनुसार एकत्र विधायिक सभा का कार्य विवरण।

सभा की बैठक पटने के सभा-वेश्म में सोमवार तिथि ७ फरवरी, १९४९, को ११-३० बजे पूर्वाह्न में, माननीय प्रमुख श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा, के सभापतित्व में हुई।

संविधान के प्रति निष्ठा का शपथ-ग्रहण।

माननीय प्रमुखः माननीय सभासदो में से जिन्होंने भारतीय संविधान के प्रति विनिहित निष्ठा की शपथ नहीं ली हैं, वे शपथ लें।

निम्न सभासदों ने शपथ ली :—

(१) श्री शंकर नाथ—[दक्षिण-पश्चिम सिवान, साधारण ग्रामीण]
(२) श्री अर्जुन प्रसाद मिश्र—[उत्तर भागलपुर सदर तथा किसनगंज, साधारण ग्रामीण]
(३) श्री ललित मोहन सिंह—[दानापुर, साधारण ग्रामीण]
(४) श्री नन्द किशोर नारायण लाल—[पश्चिम गोपालगंज, साधारण ग्रामीण]
(५) मौलवी अहमद हुसेन शेख—[सिवान मुसलमान ग्रामीण]

माननीय प्रमुख का प्रारम्भिक अभिभाषण।

माननीय प्रमुख : माननीय सभासदों!

मैं आपलोगों का दूसरी विधायिका सभा के इस छठवें अधिवेशन में भाग लेने के लिये स्वागत करता हूँ। मैं उन सभासदों का विशेष रूप से स्वागत करता हूँ जो उपनिर्वाचन से चुने जाकर इस सभा में आज आए हैं।

श्री तेज बहादुर सप्रु, सर अकबर हैदरी एवं मौलाना शफी दाउदी की मृत्यु पर शोक प्रकाश।

माननीय प्रमुख :—माननीय सभासदों।

हमलोगों को आज बहुत दुःख के साथ देश के तीन महान व्यक्तियों की मृत्यु पर शोक और समवेदना प्रगट करनी है।

श्री तेज बहादुर सप्रु

श्री तेज बहादुर सप्रु की मृत्यु से देश ने एक ऐसे महान पुरुष को खोया है जिसका संविधान, कानून तथा राजनीति के क्षेत्र में अद्वितीय स्थान था। श्री तेज एक प्रसिद्ध वकील और संविधान के विशेषज्ञ ही नहीं थे,

Bhagalpur Division.

	Number of girls matriculated during the years.		
	1945	1946	1947.
1. Mokshada Girls' High School, Bhagalpur.	9	10	12
2. C. E. Z. Mission Girls' High School, Bhagalpur.	6	5	7
3. C. M. S. Girls' High School, Deoghar.	4	5	12
4. Monghyr Baijnath Girls' High School.	4	3	2
5. Purnea Girls' High School ..	4	11	..
Total ..	27	34	33

PROPOSAL FOR GRANT-IN-AID TO MOKHSADA GIRLS' SCHOOL, BHAGALPUR FOR RAISING IT TO A COLLEGE.

23. Shri RASH BIHARI LAL : Will the Hon'ble Minister in charge of the Education Department be pleased to state—

(*a*) whether it is a fact that the authorities of Mokhsada Girls' School are willing to hold the college and school in two shifts which obviate the necessity of a building all at once;

(*b*) whether it is a fact that girls are coached in the Mokhsada Girls' School for I. A. examination and a number of students pass year after year from that institution;

(*c*) if the answers to clauses (*a*) and (*b*) be in the affirmative, whether Government propose to grant any aid to Mokshada Girls' School authorities for maintaining part-time lecturers;

(*d*) whether it is a fact that there is a Women's College in the Tirhut Division although the number of girls' schools is less than that in the Bhagalpur Division; if so, the reason for this discrimination?

The Hon'ble Shri BADRINATH VERMA : (*a*) The answer is in the affirmative, but the arrangement cannot and does not work quite satisfactorily.

(*b*) The answer is in the affirmative.

(*c*) The hon'ble member is referred to reply to question 4(*e*).

(*d*) The answer is in the affirmative. The question of discrimination does not, however, arise. The Women's College in Tirhut has come into being as a result of local public enterprise and with the munificence of Mahanth Darshan Das Jee of Maniari. Government, of course, pay grant-in-aid to the college as to other non-Government institutions.